(5) वास्तविक कार्य निष्पादन आंकडों के विश्लेषण के लिए समितियों का गठन तथा आवधिक समीक्षा के लिए बैठकें ;

(6) भावी आयोजना के लिए कच्चे तेल के उत्पादन तथा उपलब्धता के आकड़ों का अनुमान लगाना ।

समिति द्वारा सुझाए गए उपकरणों को लगा दिया गया है / लगाया जा रहा है तथा सुझाए गए उपायों को लागू किया जा रहा है ।

कच्चे तेल की ढुलाई के कारण आर्थिक हानि

1443. **श्री रशीद मसूद** : क्या **पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि बम्बई हाई और देश के अन्य क्षेत्रों में उत्पादित होने वाले कच्चे तेल के उत्पादन तथा उसके वास्तविक उपयोग की मात्रा के बीच अंतर है ;

(ख) यदि हां, तो गत तीन वर्षों के दौरान उत्पादित और वास्तविक रूप में उपयोग किए गए कच्चे तेल की मात्रा का वर्षवार ब्यौरा क्या है ;

(ग) क्या यह भी सच है कि कच्चे तेल की ढुलाई के कारण भारी आर्थिक हानि होती है ; और

(घ) यदि हां, तो गत तीन वर्षों के दौरान यह हानि कितनी हुई और इसे रोकने हेतु सरकार ने क्या कदम उठाए हैं ?

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में उपमंत्री (श्री रफीक आलम) : (क) से (घ) पिछले तीन वर्षों के दौरान स्वदेशी कच्चे तेल के उत्पादन और रिफाइनरियों में प्रोसेस करने जिसमें इंवेन्ट्री बिल्ड-अप (डिप्लीशन) तथा निर्यात शामिल में अन्तर इस प्रकार है :—

("000" मी० टन)

	1985-86	1986-87	1987-88*
(1) स्वदेशी कच्चे तेल का उत्पादन	30168	30480	30338
(2) प्रोसेस किया जाने वाला कच्चा तेल जिसमें बनाए गए उत्पाद (डिप्लीशन) और निर्यात शामिल हैं	29096	29733	29417
(3) अंतर का सामंजस्य	1072	747	92

* अनन्तिम

परिवहन की हानियों के संबंध में अलग से आंकड़े उपलब्ध नहीं है । उपर्युक्त अंतर मुख्य रूप से प्रोसेस करने और ट्रांजिट के दौरान मामले मे गलतियों और शुद्धता तथा लाने ले जाने और भंडारण में हानियां के कारण होते हैं । इस अंतर को कम करने के लिए ऊठाए जा रहे कुछ कदम इस प्रकार हैं :

- बम्बई हाई क्रूड को मापने के लिए बचर आइलैंड मे मीटर प्रूवर, टी०डी० मीटर आटो इन लाइन सेपलर तथा डेन्सिटी मीटरों की स्थापना ।
- जिन जानेरेशन टैंकरों सेंग्रीरेडिट बालास्ट सुविधाएं होती है उनको हाल ही में लगाया जाना ।
- कच्चे तेल के परिवहन पर नियमित निगरानी रखना ।